

प्रा०।  
**रुमाजा**  
और कॉमेडी





कार्टूनिस्ट प्रमोद का जन्म करूर तालुक कराले में, जो अब पाकिस्तान में है, हुआ था। एम.ए. (राजनीति शास्त्र) और फाइव आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मित्रता से शुरू हुआ।

उन दिनों सारे भारत में मिडिली क्लासिक्स छपती थीं। प्रमोद ने भारतीय पत्रों की रचना करके अन्त्याय विषयों पर कार्टूनिंग बनाना शुरू किया। उनके प्रमुख चरित्र हैं - चाचा लोधी, मावू, लोधीजी, पिंकी, किल्लू और रमन।

लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स ने उनको 1995 में पीपुल ऑफ द ईयर अवार्ड से पुरस्कृत किया। उनकी बान्ना लोधी स्ट्रिप्स को इंटरनेशनल म्युजियम ऑफ कार्टून आर्ट, अमेरिका में स्थायी रूप से रखा गया है। 1983 में स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्रमोद की राष्ट्रीय एकता पर बनी कार्टूनिंग 'रमन हम एक हैं' का विमोचन किया।

प्रमोद के चरित्रों की लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल भाषा द्वारा पाठकों को भीतर तक मुहम्मुरा देते हैं।

प्रकाशक



TITLE RAMAN AND THE CHARACTER ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETORS. FRANK'S FEATURES, A-84, JARAWA WALA, NEW DELHI. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMIC. ANY SIMILARITY TO REAL HUMAN BEINGS OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.





हर एक से दस रूपए लो.  
और सगी के नाम की  
पर्ची लिखकर एक  
बाक्स में डालो...



फिर उनमें से एक पर्ची निकालो, जिसका  
नाम आए उसे तुम अपनी सारी तनख्वाह  
इनाम में दे दो!



जीतने वाले को मात्र 10 रूपए में 5000  
मिलेंगे तो हर महीने लोग स्कीम में  
हिस्सा लेंगे.



और तुम हर महीने 10,000  
रूपए घर ले जाओगे!





# बास की कुट्टी



हैलो! ... सर? ... ठीक हैं.  
आप फिक्र न करें.



खुशखबरी! बाँस की तबियत खराब हैं.  
वह आज दफ्तर नहीं आ रहा.



पच्चीस सालों में आज पहला  
दिन है जब यह बुढ़ा खूंसठ  
दफ्तर नहीं आ रहा. आज काम को  
मारो गोली, खुशियां मनाओ!



बेफिक्र होकर बैठो और  
लाश खेलो



आज तुम सबको देर  
रात तक काम करना  
है यहां, समझे !

वाँस, ??



मैं अचानक आकर देखना चाहता था कि  
तुम मेरी गैर-हाजिरी में काम करते हो या  
नहीं ?





मास और  
सदर बाजार



कमला, तैयार  
हो जाओ. जरा  
सदर बाजार चलना है

बाप रे !



वहां तो मेरी मास रहती हैं. जरूर  
उसीसे मिलने जा रहे हैं.



मैं नहीं जा  
सकती .

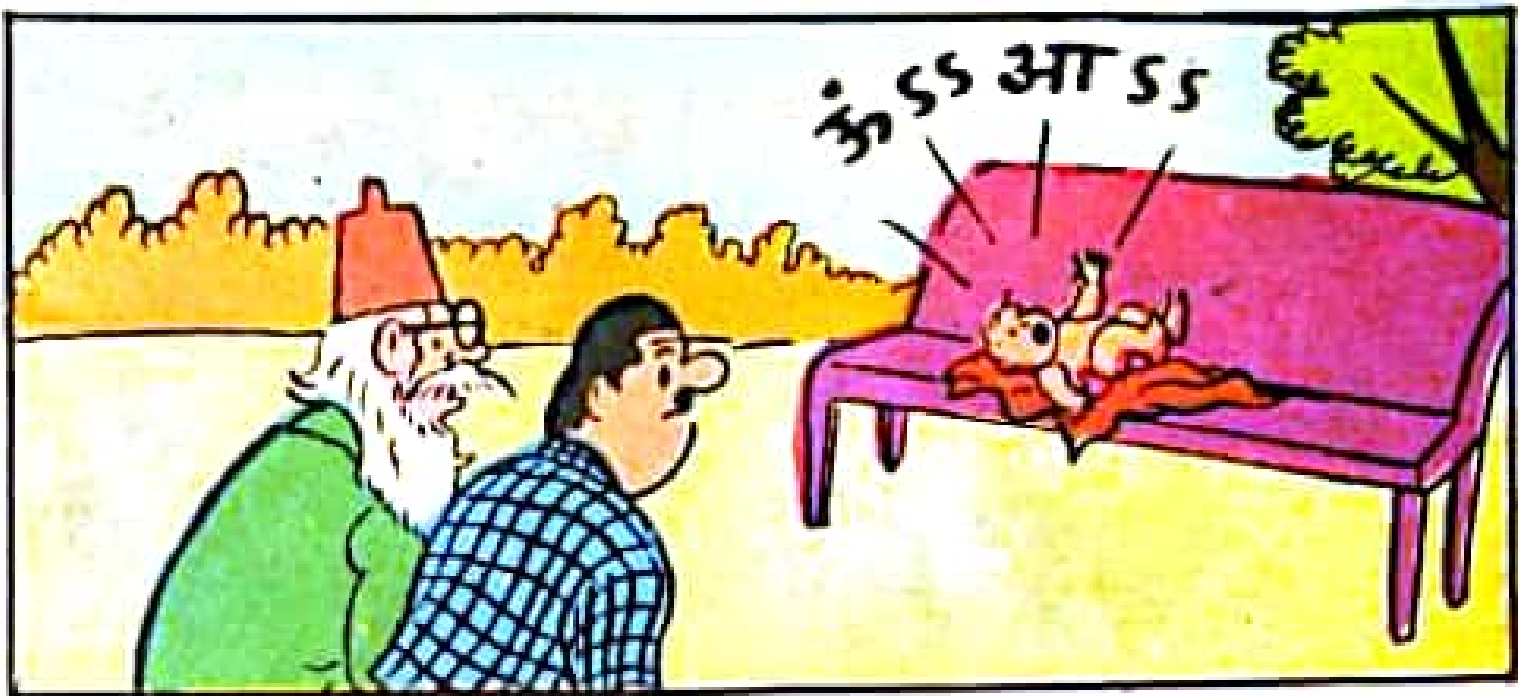


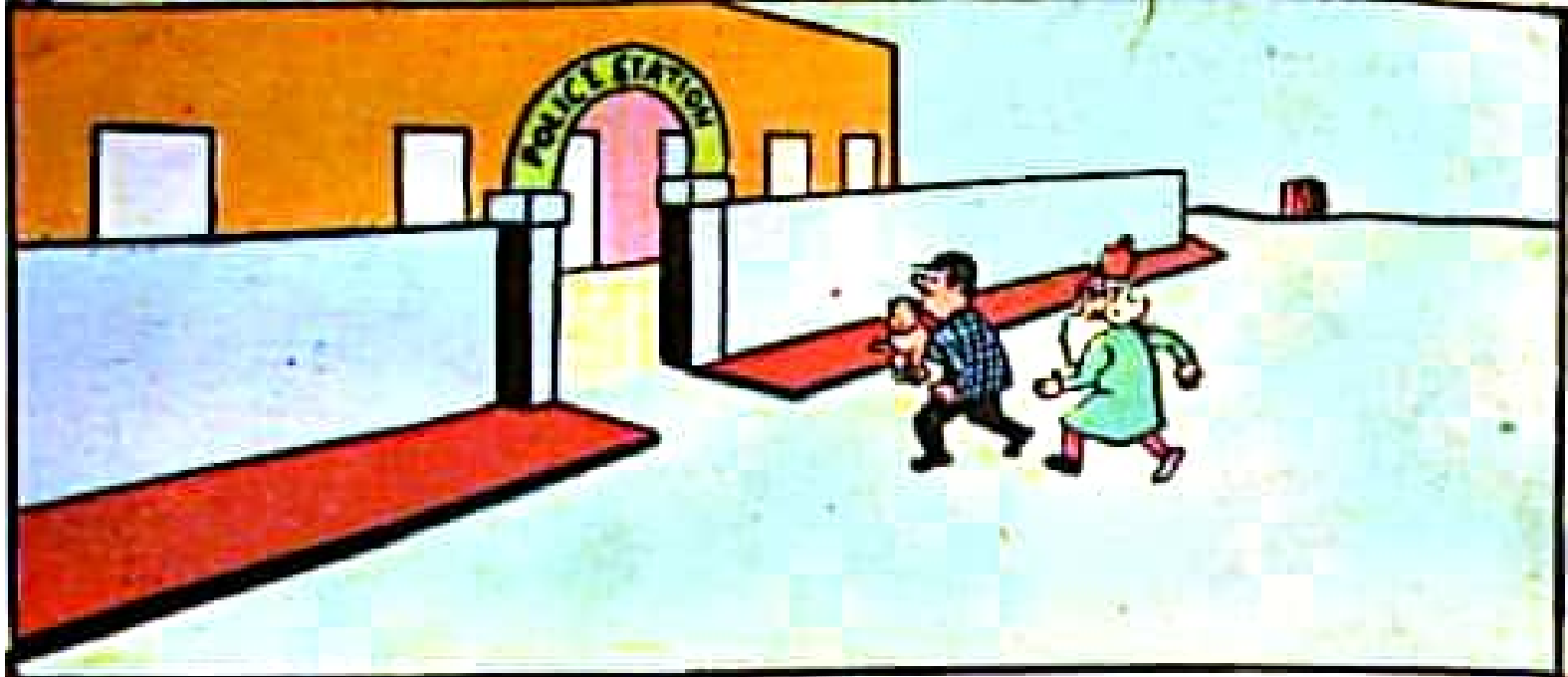






भलाई का अंजाम







यह क्या हुआ ?



रमन, तुम्हारा  
बॉस इधर आ रहा है.

मारे गद !

वह बुड़्ढा आज छुट्टी के दिन भी मुझे पकड़ कर  
दफ्तर ले जायगा और सारा दिन बेगार करवायगा.



हमें जल्दी ही कुछ  
करना चाहिये.



बाहर से दरवाजे  
पर ताला  
लगा देते हैं.











गिनती भूल गया

एक और एक दो, दो और तीन पांच, पांच और सात ...



बारह, बारह और धह अठारह ...

बाबू जी!



... अस्सी और चार चौंसती ...

श: ! उसे डिस्टर्ब मत करो, वह विलेंस शीट बना रहा है. भूल गया तो दुबारा शुरू से गिनती कस्मी पड़ेगी.

... बारसौ बारह और पांच, चार सौ सत्रह...

इसकी नाक पर ललैया बँठी काट रही है.





...धह हजार  
तेतीस औसाल धह  
हजार चालीस...

काटने दो.



दो लाख तीन  
हजार बीस  
और चार...

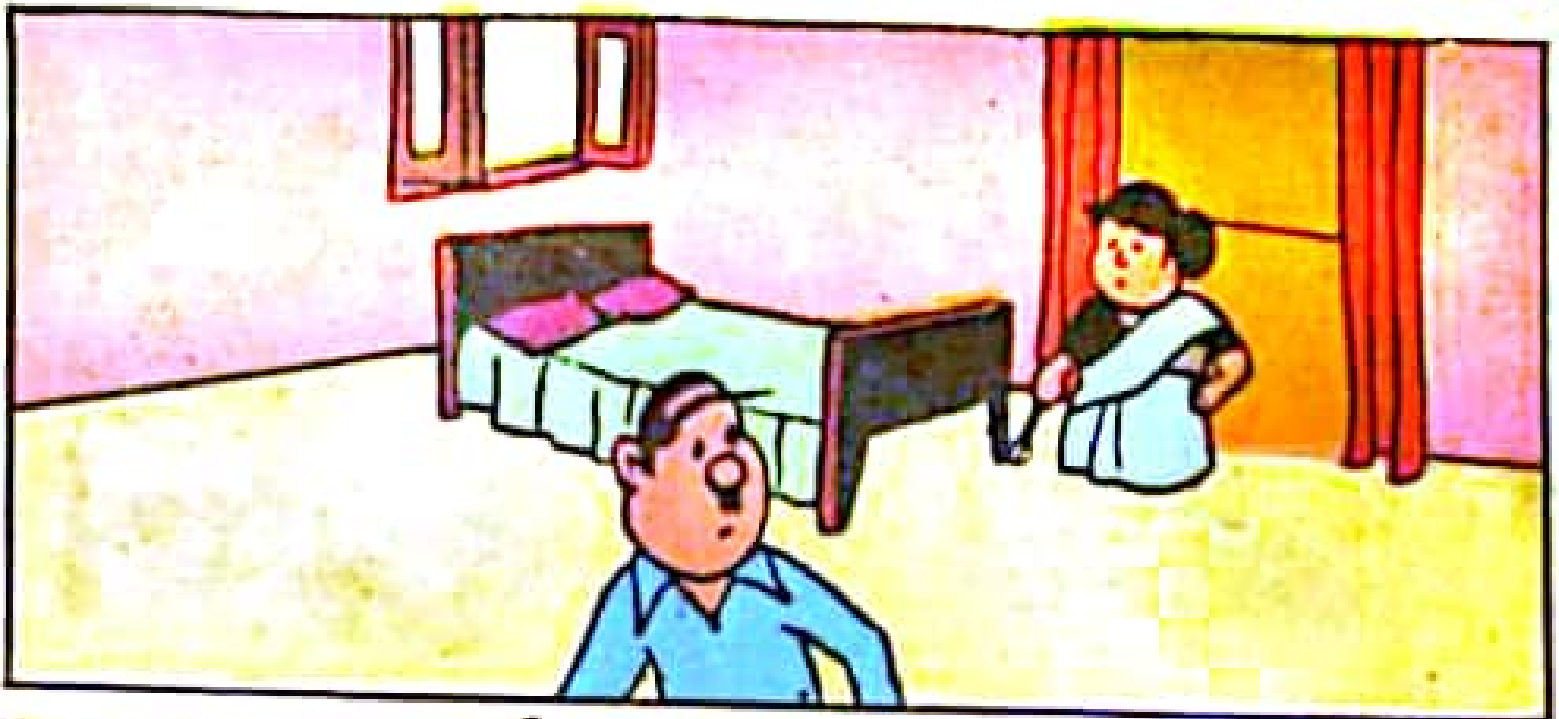


एक और एक दो, दो और  
तीन पांच, पांच और सात ...





घर की सफाई







खिड़की

वहाँ अकेले खिड़की में बैठे हुए क्या कर रहे हो ?



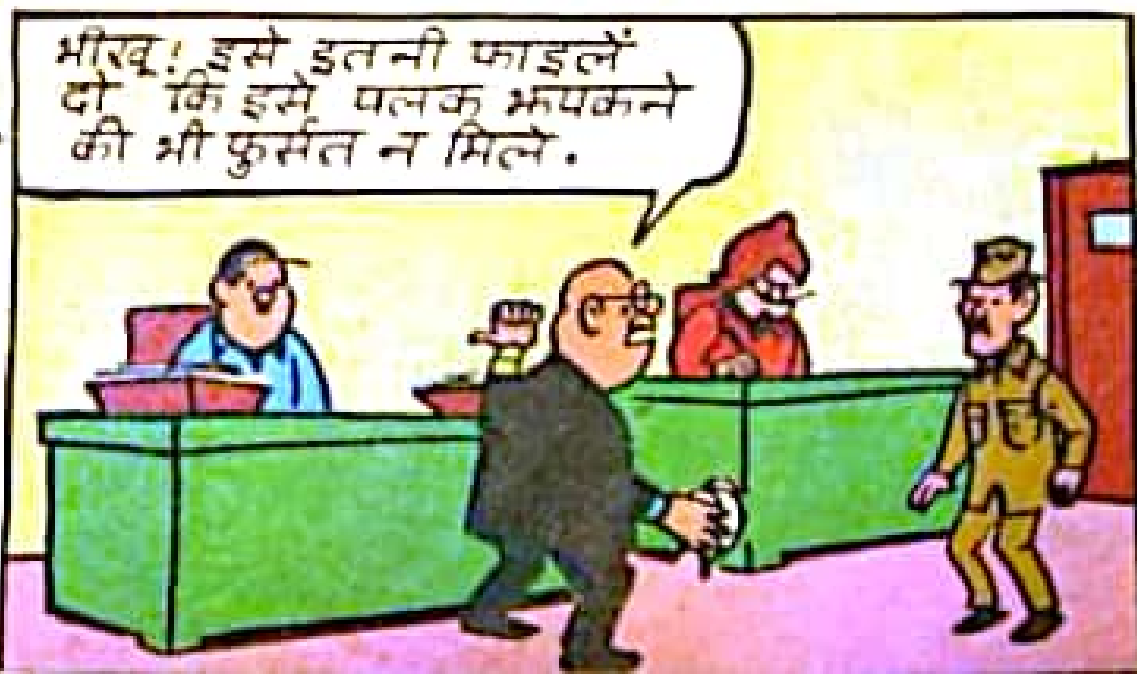
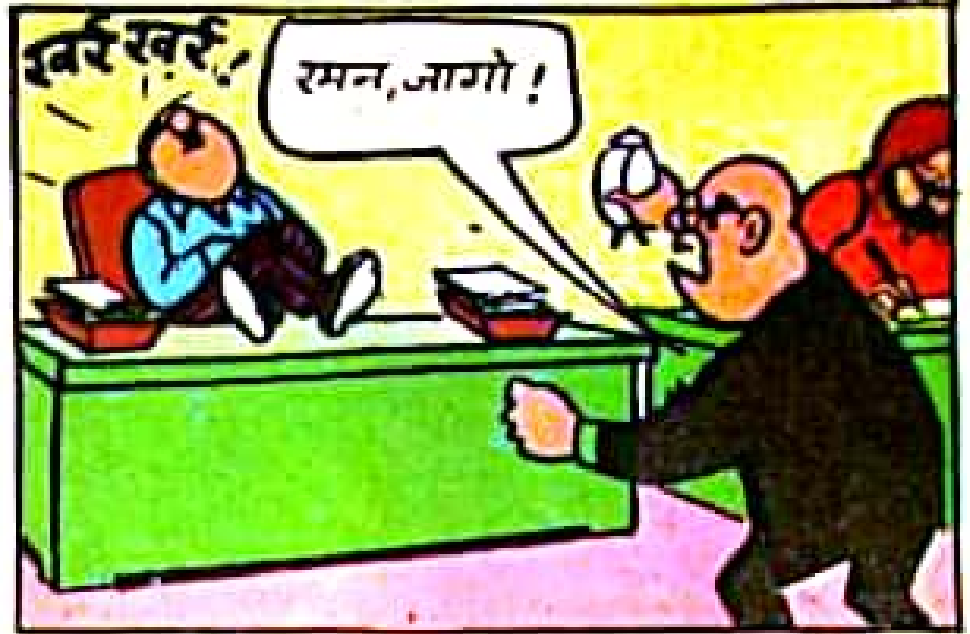
ताजी हवा खा रहा हूँ.



तो यह ताजी हवा खाई जा रही है ?











पंखा



रमन, कहां से आ रहे हो ?



गर्मियां आ गई हैं, पंखे खरीद कर लाया हूं .

ये औरंगजेब के जमाने के पंखे ?



आओ, मैं तुम्हें दिखाऊं बीसवीं सदी का पंखा कैसा होता है !



देखो, इधर बटन दबाया और उधर पंखे की हवा ने ...





... सारा कमरा शिमले जैसा ठंडा कर दिया.



अरे रमन, जरा अपना पंखा देना. मेहमान आ गये हैं. गर्मी से बुरा हाल है.



क्यों तुम्हारे शिमले जैसी ठंडी हवा देने वाले पंखे का क्या हुआ ?



बिजली चली गई है .







ऊपर की अथॉरिटी

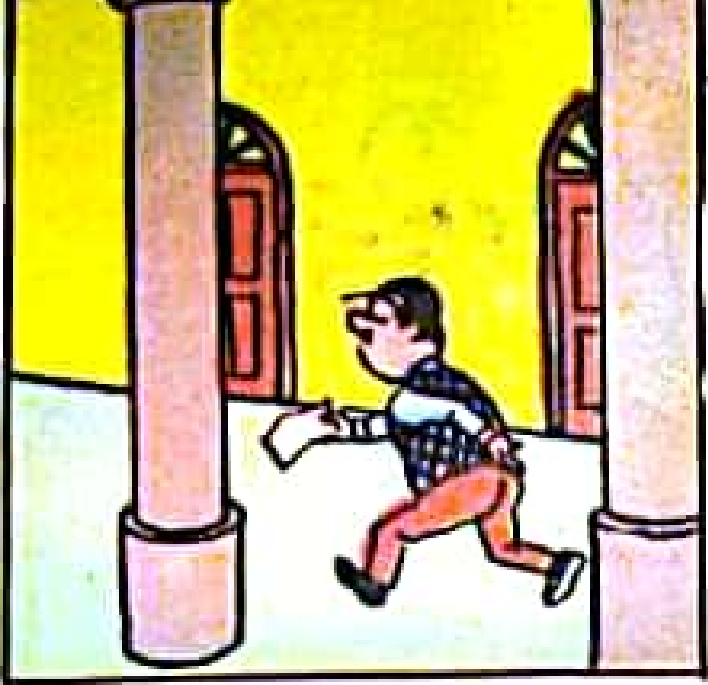
रमन में तुम्हारा काम नहीं कर सकता.  
मेरे से ऊपर की अथॉरिटी तुम्हारा  
यह काम कर सकती है.



मुझसे ऊपर जो अथॉरिटी  
है वो तुम्हारा यह  
काम कर सकती है.



मुझसे ऊपर की अथॉरिटी तुम्हारा यह काम कर सकती हैं.



मुझसे ऊपर की अथॉरिटी ही तुम्हारा यह काम कर सकती हैं.



आपके घति ने कहा हैं कि यह काम आपही कर सकती हैं.





वह गेंद

इस बाजार में चीजें क्यों बिखरी पड़ी हैं ?

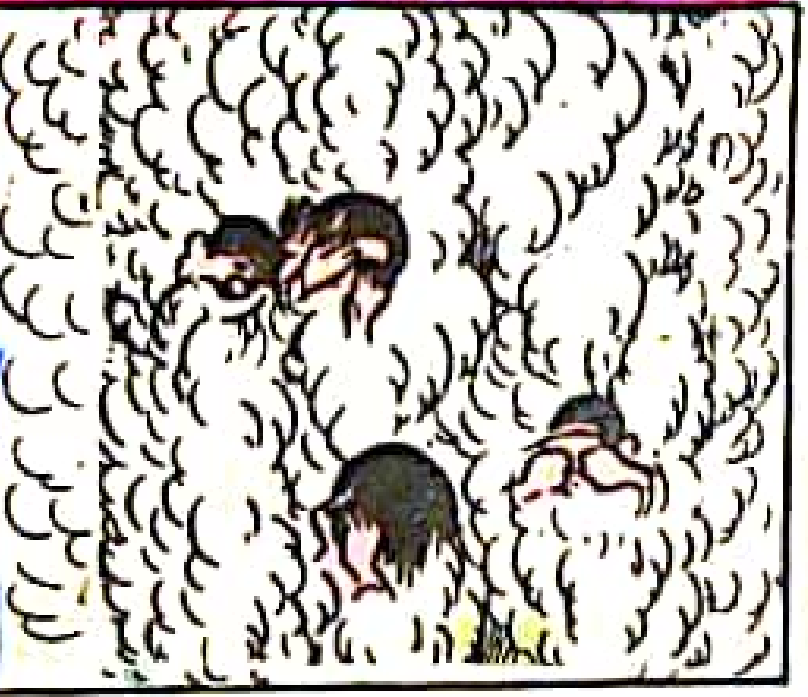


अभी कुछ देर पहले एक जुलूस पर पुलिस ने अक्रुगैस छोड़ी थी .



अहा! मुझे एक गेंद पड़ी मिली है .













क्या ख्वांरं ?

रमन, कहां  
जा रहे हो ?

खलीफा बाराबकदा  
ने हमें पार्टी में  
धुलाया है .



रमन,  
खुश आमदीद !



लो, बिहस्की और  
सिगरेट पियो .

नहीं, डाक्टर कहते  
हैं सिगरेट पीने से  
कैंसर हो जाता है .



